आकाशवाणी श्री विजयपुरम

दिनांक : 10.04.2026 समय : 1905

<><><><><><><><>

अंडमान निकोबार द्वीप समूह में वन अतिक्रमणकारी परिवारों के पुनर्वास पर सांसद बिष्णु पद रे ने केन्द्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग की।

पांच दिवसीय आई डी ई बूटकैम्प–2026 के समापन दिवस पर आज विशेषज्ञों ने युवाओं से स्थानीय संसाधनों पर आधारित स्टार्टअप विकसित करने की अपील की।

बाराटांग अग्निशमन केन्द्र द्वारा ओरलकच्छा के स्कूल में भूकंप एवं अग्नि सुरक्षा पर आपदा पूर्वाभ्यास किया गया।

सजावटी मत्स्य पालन पर जे एन आर एम में जागरूकता कार्यक्रम पर छात्रों को जल गुणवत्ता प्रबंधन और उत्पादन वृद्धि के उपाय बताए गए।

<><><><><><><><>

अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के सांसद बिष्णु पद रे ने वन अतिक्रमणकारी परिवारों के पुनर्वास के लंबित मुद्दे पर त्वरित कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने प्रधानमंत्री, केंद्रीय गृह मंत्री तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री से इस दिशा में शीघ्र हस्तक्षेप करने का आग्रह किया है। सांसद ने बताया कि द्वीपों के विभिन्न क्षेत्रों में प्री–उन्नीस सौ अठहत्तर और पोस्ट–उन्नीस सौ अठहत्तर श्रेणी के हजारों वन अतिक्रमणकारी परिवार चिह्नित किए गए हैं, जिनमें लगभग पांच सौ पन्द्रह प्री–उन्नीस सौ अठहत्तर तथा तीन हजार चार सौ तिरेसठ पोस्ट–उन्नीस सौ अठहत्तर परिवार शामिल हैं। ये सभी परिवार लंबे समय से उचित पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि अंडमान–निकोबार प्रशासन द्वारा 2003 में ही एक व्यापक पुनर्वास योजना तैयार कर गृह मंत्रालय को भेजी गई थी, लेकिन दो दशकों से अधिक समय बीत जाने के बावजूद इसे लागू नहीं किया जा सका है। इस देरी का मुख्य कारण मामला उच्चतम न्यायालय में लंबित होना है। सांसद ने इस मामले की शीघ्र सुनवाई और निपटारे की मांग की है। उन्होंने कहा कि देरी के कारण प्रभावित परिवार पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित कठिन परिस्थितियों में जीवन यापन कर रहे हैं। सांसद ने समयबद्ध योजना, समन्वित कार्रवाई, पुनः सर्वेक्षण और आजीविका समर्थन की भी मांग की।

<><><><><><><><>

डॉ. बी. आर. अंबेडकर प्रौद्योगिकी संस्थान में आयोजित आई डी ई बूटकैंप 2026 के समापन समारोह में उद्योग विभाग के उपनिदेशक अजीत आनंद ने कहा कि यह पाँच दिवसीय बूटकैंप केवल शुरुआत है और अब समय है कि विचारों को पंजीकृत स्टार्टअप और वास्तविक उद्यमों में बदला जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री के "लोकल फॉर वोकल" और आत्मनिर्भर भारत के विजन का उल्लेख करते हुए छात्रों से स्थानीय समस्याओं और संसाधनों पर आधारित नवाचार विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि आगामी "अपना स्टार्टअप" योजना के तहत युवा नवप्रवर्तकों को संस्थागत सहायता प्रदान की जाएगी। साथ ही उन्होंने एम एस एम ई, पर्यटन, मत्स्य पालन, खाद्य प्रसंस्करण और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में अंडमान–निकोबार द्वीपसमूह में उपलब्ध अवसरों पर विस्तार से बताया।

<><><><><><><><>

जी एस एस एस ओरलकच्छा में स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत भूकंप एवं अग्नि सुरक्षा विषय पर आज एक आपदा पूर्वाभ्यास का सफल आयोजन किया गया। इस पूर्वाभ्यास का संचालन अग्निशमन केंद्र बाराटांग के अग्निशमन कर्मियों द्वारा किया गया, जिसमें कुल दो सौ चौवन प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिनमें विद्यार्थी एवं स्टाफ सदस्य शामिल थे। अभ्यास के दौरान प्रतिभागियों को आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रक्रियाओं जैसे RACE अर्थात् बचाव, चेतावनी, नियंत्रण, बुझाना तथा PASS अर्थात् खींचा, लक्ष्य साधो, दबाओ, झाड़ो तकनीकों की जानकारी दी गई। काल्पनिक भूकंप की चेतावनी के पश्चात निकासी अभ्यास कराया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने "झुको–ढको–पकड़े रहो" तकनीक का अभ्यास करते हुए सुरक्षित रूप से निर्धारित सभा स्थल तक निकासी की। अग्निशमन कर्मियों ने पोर्टेबल अग्निशामक यंत्रों के उपयोग का प्रदर्शन किया तथा विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया, जिससे उनकी अग्नि सुरक्षा संबंधी समझ और बेहतर हुई। कार्यक्रम का समापन अग्नि सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन पर एक संवादात्मक सत्र के साथ हुआ।

<><><><><><><><>

अंडमान कॉलेज के अंग्रेजी विभाग द्वारा 4 से 10 अप्रैल तक "टी–स्किल्सः सॉफ्ट स्किल्स, जीवन कौशल एवं व्यावसायिक दक्षताओं के माध्यम से रोजगार क्षमता निर्माण" विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यशाला विशेष रूप से अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई थी। कार्यशाला में संचार कौशल, जीवन कौशल तथा व्यावसायिक दक्षताओं पर आधारित सहभागिता और गतिविधि–आधारित सत्रों का आयोजन किया गया, जिससे छात्रों को व्यावहारिक रूप से भाग लेने, अभ्यास करने और अपने आत्मविश्वास एवं रोजगार क्षमता को बढ़ाने का अवसर मिला। आज आयोजित समापन सत्र में विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि यह कार्यशाला अत्यंत उपयोगी, व्यावहारिक एवं उनके व्यक्तिगत तथा व्यावसायिक विकास के लिए लाभकारी रही। कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. एस. जयकुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित किया तथा प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। यह कार्यशाला डॉ. जोचिबेड विन्सेंट के संयोजन एवं डॉ. गरिमा हरिनिवास तिवारी के सह–संयोजन में सफलतापूर्वक आयोजित की गई।

<><><><><><><>

केंद्रीय द्वीपीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा जवाहर लाल नेहरू राजकीय महाविद्यालय में कल प्राणीशास्त्र विभाग के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए सजावटी मत्स्य पालन एवं जलीय कृषि में उद्यमिता विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने अंडमान–निकोबार द्वीप समूह में मत्स्य संसाधनों की अपार संभावनाओं, सजावटी मछलियों की बढ़ती मांग तथा उनके व्यावसायिक महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही गुणवत्तापूर्ण मत्स्य बीज, संतुलित आहार, जल गुणवत्ता प्रबंधन एवं वैज्ञानिक पद्धतियों के माध्यम से उत्पादन एवं लाभ बढ़ाने के उपाय बताए गए। वैज्ञानिकों ने विभिन्न सजावटी मछलियों की जैविक विशेषताओं, प्रजनन विधियों तथा कार्प मछली पालन तकनीकों की जानकारी दी। इसके अतिरिक्त केंचुआ खाद निर्माण एवं उससे जुड़े उद्यमिता अवसरों का प्रदर्शन भी किया गया। संवादात्मक सत्र के माध्यम से विद्यार्थियों ने कृषि प्रौद्योगिकी, कृषि पर्यटन तथा स्वरोजगार के विविध अवसरों की व्यावहारिक जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने उपयोगी जानकारी एवं अनुभव के लिए संस्थान के वैज्ञानिकों का आभार व्यक्त किया।

<><><><><><><>

इग्नू ने जून 2026 टर्म एंड एग्जामिनेशन के लिए ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग तथा ऑनलाइन कार्यक्रमों के विद्यार्थियों हेतु ऑनलाइन परीक्षा फॉर्म भरने की अंतिम तिथि बढ़ा दी है। अब छात्र बिना विलंब शुल्क के 26 अप्रैल तक परीक्षा फॉर्म भर सकते हैं। इसके बाद विलंब शुल्क सहित आवेदन प्रक्रिया 27 अप्रैल से 30 अप्रैल तक जारी रहेगी।

<><><><><><><>